

कोतवाली प्रभारी विनय शुक्ला
से मामले में पक्ष जानने का प्रयास
किया गया, लेकिन स्पष्ट जवाब नहीं
मिल सका। वहीं सीएसपी हेमंत
कुमार ने भी फोन रिसीव नहीं किया।
ऐसे में सवाल है कि क्रॉस एनसीआर
के बाद जांच की वर्तमान स्थिति
बताने में आखिर दिक्कत क्या है?
पुलिस की तथ्यात्मक प्रतिक्रिया ही
चर्चाओं और संदेहों पर विराम लगा
सकती है।

बढ़कर 107 तथा नियमित उपस्थिति 44 से बढ़कर 96 प्रतिशत हुई। 26 डॉफ़आउट विद्यार्थियों का पुनः नामांकन कर विद्यालय को जीरो डॉफ़आउट बनाया गया। दिव्यांग विद्यार्थी को विद्यालय तक पहुँचाने में व्यक्तिगत सहयोग देकर समावेशी शिक्षा की मिसाल भी प्रस्तुत की।

शिक्षण को रोचक बनाने के लिए करीब 500 टीएलएम, एफएलएन बगीचा, क्यूआर आधरित शिक्षण, पोषण वाटिका शिक्षित विभिन्न नवाचार किए गए। पर्यावरण संरक्षण के लिए 1336 पौधों का रोपण और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियाँ भी

संचालित की गई। दो विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय विद्यालय तथा दो का सैनिक विद्यालय में चयन हुआ। शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने दा पेंडुल युक्त पुस्तकों का लेखन-प्रकाशन और छह क्रियात्मक शोध भी किए तथा राज्य एवं जिला स्तर पर मास्टर ट्रेनर के रूप में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान सहित विभिन्न सम्मानों से सम्मानित हो चुके शैलेन्द्र प्रताप सिंह का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयन सीधी जिले के साथ-साथ ग्रामीण जनकाली विद्यालयों में सरकारीदात्री और नवाचार से बदलाव की प्रेरक मिसाल है।



संपादकीय

महंगाई की मार– विकास के आंकड़ों के बीच आम आदमी की जेब क्यों हो रही ढीली

पहले चीनी महंगी हुई, फिर सीएनजी के दाम बढ़े और अब व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम में साढ़े नौ रुपए तथा विमान ईंधन की कीमतों में 5.46 फीसद की बढ़ोतरी की गई। देश में बढ़ती महंगाई आज आम आदमी के जीवन से जुड़ी सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से न केवल लोगों की क्रयशक्ति कम हो रही है, बल्कि सीमित आय में खर्च बढ़ने से थरेलू बजट का संतुलन भी बिगड़ रहा है। यह विचित्र बात है कि एक तरफ सरकार की ओर से विकास दर के चमचमाते आंकड़े दिखाए जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ आम लोगों की जेब ढीली होती जा रही है।पहले चीनी महंगी हुई, फिर सीएनजी के दाम बढ़े और अब व्यावसायिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम में साढ़े नौ रुपए तथा विमान ईंधन की कीमतों में 5.46 फीसद की बढ़ोतरी की गई। जाहिर है कि इससे भोजन की थाली और हवाई यात्रा का महंगा होना तय है। सवाल है कि जब आवश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं, तो फिर महंगाई को नियंत्रण में रखने के सरकार के दावों का क्या मतलब रह जाता है? क्या सरकार ने बाजार को पूरी तरह खुला छोड़ दिया है, ताकि वह मनमाने तरीके से कीमतें तय कर सके।न्योहरों से पहले खुदरा महंगाई जिस तरह बढ़ी है, वह वास्तव में चिंता का विषय है। पिछले दिनों चीनी और प्याज के दाम बढ़ने का असर हर वर्ग पर पड़ा है। रसोई में इस्तेमाल होने वाली हर चीज अब महंगी हो चुकी है। वहीं, सरकारी आंकड़ों में कहा गया है कि सफाई घरेलू उत्पादों में अनुमान से कहीं अधिक वृद्धि हुई है। इसके लिए सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन सवाल है कि इस वृद्धि को दर्ज करते समय महंगाई के आंकड़ों पर गौर क्यों नहीं किया गया।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल में सीएनजी के दाम तीन रुपए नवासी पैसे बढ़ाए गए थे, जबकि मुंबई में दो रुपए बढ़ाए गए हैं। साफ है कि आम लोगों को अब ऑटो-टैक्सी का अधिक क्रियाया दाम पड़ सकता है। कुछ समय पूर्व दिल्ली में दूध के दाम बढ़े थे, अब मुंबई में इसकी कीमतें बढ़ाई गई हैं। सरकार को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि आर्थिक प्रगति का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब वस्तुओं की कीमतों को भी नियंत्रण में रखा जाएगा।

(नीरज कुमार दुबे) प्रधानमंत्री के भाषण का सबसे धारदार हिस्सा आतंकवाद पर था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है और इसके खिलाफ कार्रवाई केवल घटना के बाद प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आतंकवादी विन्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ, सुरक्षित ठिकानों और पूरे आतंकी तंत्र को ध्वस्त करना होगा। एससीओ शिखर सम्मेलन में वैसे तो सभी सदस्य देशों के राष्ट्रप्यों ने अपने अपने संबोधन में तमाम तरह के मुद्दे उठाये लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में शामिल मुद्दों की विविधता और सबको साथ लेकर चलने के जज्जे ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। साथ ही तमाम अंतरराष्ट्रीय विश्लेषक भी यह देखकर हैरान हैं कि कैसे मोदी ने मंच पर साथ मौजूद चीन के राष्ट्रपति और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को जबरदस्त तरीके से घेर लिया। हम आपको बता दें कि शहबाज शरीफ के सामने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा किया तो वहीं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सवाल पर चीन को भी आड़े हाथ लेने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आतंकवाद पर मोदी ने दो टुक कहा कि जो देश आतंकियों को पनाह देते हैं और आतंकवाद को अपनी नीति के अंजीर के रूप में इस्तेमाल करते हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि आतंक कभी किसी की रणनीतिक संपत्ति नहीं बन सकता। वहीं कनेक्टिविटी के नाम पर संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौते को अस्वीकार करते हुए उन्होंने चीन को भी साफ संदेश दिया।

किर्गिज गणराज्य की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत ने अपनी मौजूदगी को महज औपचारिक भागीदारी तक सीमित नहीं रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने एससीओ के 25 वर्षों की यात्रा को अगले 25 वर्षों की दिशा तय करने के अवसर में बदलते हुए भारत का स्पष्ट एजेंडा सामने रखा। सिब्योरिटी, कनेक्टिविटी और अर्पंच्युनिटी के जरिये मोदी का संदेश था कि अब केवल घोषणाओं और संवाद से काम नहीं चलेगा, बल्कि सहयोग को ठोस परिणामों में बदलना होगा।

प्रधानमंत्री के भाषण का सबसे धारदार हिस्सा आतंकवाद पर था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर चुनौती है और इसके खिलाफ कार्रवाई केवल घटना के बाद प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आतंकवादी विन्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ, सुरक्षित ठिकानों और पूरे आतंकी तंत्र को ध्वस्त करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि

मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी प्रकार के दोहरे मापदंड को स्वीकार करने से साफ इंकार किया। यह संदेश ऐसे मंच से आया, जहां पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ स्वयं मौजूद थे।

भारत की कूटनीतिक उपलब्धि यहीं समाप्त नहीं हुई। एससीओ के 25 वर्ष पूरे होने पर स्वीकार की गई बिश्केक डिव्लेंरेशन ने क्षेत्रीय सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत की प्राथमिकताओं को मजबूती दी। घोषणा और शिखर सम्मेलन के अन्य फैसलों में आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित



अपराध तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय खतरों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। सुरक्षा चुनौतियों और खतरों से निपटने के लिए यूनिवर्सल सेंटर संबंधी नियमों को मंजूरी देना सदस्य देशों के बीच समन्वय और सूचना आदान-प्रदान को मजबूत करने वाला कदम है।

भारत के लिए विशेष महत्व की बात यह भी रही कि अग्नेयी को एससीओ के संस्थागत ढांचे में शामिल करने की दिशा में प्रगति हुई। साथ ही भारत द्वारा आगे बढ़ाई गई कई पहलों जैसे- एससीओ सिल्विलाइजेशन डायलॉग फोरम, यंग साइटिस्ट फोरम और यंग ऑथर्स कॉन्क्लेव को भी बिश्केक डिव्लेंरेशन में स्थान मिला। यह संकेत है कि भारत अब एससीओ में केवल सुरक्षा संबंधी चिंताएं उठाने वाला देश नहीं, बल्कि संगठन के बौद्धिक, सांस्कृतिक और संस्थागत भविष्य को आकार देने वाला सक्रिय साझेदार बन रहा है।

मोदी ने अपनी विदेश नीति की व्यापक सोच को भी भाषण में स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि यूरेशिया की सुरक्षा और

शांति का संबंध अफगानिस्तान की स्थिरता से जुड़ा है और भारत वहां विकास तथा मानवीय सहायता जारी रखेगा। पश्चिम एशिया के संघर्षों का उदाहरण देते हुए उन्होंने आगाह किया कि आज की दुनिया में किसी एक क्षेत्र का युद्ध उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। उसका असर ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ता है, जिसका सबसे अधिक बोझ ग्लोबल साउथ को उठाना पड़ता है। इसलिए भारत का स्पष्ट मत है कि युद्धों और तनावों का समाधान रणभूमि पर नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति से होना चाहिए।



प्रधानमंत्री ने नशे के कारोबार को भी क्षेत्रीय सुरक्षा का गंभीर खतरा बताया। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी केवल अपराध नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी और क्षेत्रीय स्थिरता पर हमला है। इस संदर्भ में एससीओ के तहत सुरक्षा, संगठित अपराध, सूचना सुरक्षा और नारकोटिक्स से निपटने के लिए बनाए जा रहे केंद्रों को प्रभावी और त्वरित कार्रवाई का माध्यम बनाने पर जोर दिया गया। इस तरह आतंकवाद और नार्को-टेररिज्म के खिलाफ भारत की चिंता को व्यापक एससीओ एजेंडे से जोड़ने में सफलता मिली।

कनेक्टिविटी पर भी मोदी का संदेश उतना ही स्पष्ट और कूटनीतिक रूप से अदम्य था। भारत बाजारों को जोड़ने, व्यापार बढ़ाने और विकास के नए रास्ते खोलने वाली सभी पहल का समर्थन करता है, लेकिन ऐसी किसी भी परियोजना के लिए सदस्य देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान अनिवार्य है। प्रधानमंत्री का यह संदेश चीन की महत्वकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल और विशेष रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गॉलियारे (सीपीईईसी) के संदर्भ में बेहद

घर की पाठशाला में सीखी जिंदगी– वह हुनर जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी महिलाओं तक पहुंचता था

(क्षमा शर्मा)

कई बार तो लगता है कि वे महिलाएं पूरा का पूरा ‘एनसाइक्लोपीडिया’ थीं। परिवार के लोगों की जरूरतों को पूरा करने के तौर-तरीके उन्हें मालूम थे। सारी बातें महिलाओं ने किसी संस्थान में जाकर नहीं सीखी थीं। ये सब घर की पाठशाला में कभी खुद करके, तो कभी देखकर सीख जाती थीं।

घर की अलमारी में किस डिब्बे में नमक है, किसमें चीनी, किसमें दाल, बेसन और सूजी। किस मर्तबान में नीबू का अचार, किसमें आम का और किसमें मिर्च का। ये सब बातें एक-दो पीढ़ी पहले की स्त्रियों को मुंहजबानी याद रहती थीं। रसोई में जाकर कोई भी जब इन चीजों के बारे में पूछना, तो दूर बैठी महिला वहीं से बता देती कि किस डिब्बे को खोलकर देखा जाए और वह कहाँ रखा है।

इसी तरह, कौन-सा त्योहार कब आ रहा है, क्या-क्या करना है, किसके यहां जाना है, कौन घर आएगा, किसे क्या देना है, जो आएगा, उसकी पसंद का खाना कौन-सा है, किसी की शादी की वर्षगांठ कब है, किसका जन्मदिन किस तिथि को पड़ेगा, किसे कौन-सा रंग पसंद है, इसलिए उसी की पसंद की साड़ी या दूसरे कपड़े खरीदने हैं, बेटी के ससुराल कब जाना है और क्या-क्या ले जाना है? ये सारी बातें बिना सूची बनाए उन्हें याद रहती थीं।

किस सब्जी में कौन-सा मसाला डाल दो, तो

वह बहुत अच्छी बन सकती है। किस अचार में कौन-कौन से मसाले और कितना सरसों का तेल डालना सही रहता है। किस अचार में तेल नहीं डाला जाना चाहिए। पूरी बनाने का आटा कैसे गुंधना है, कचौड़ी का कैसे, बाजरे की रोटी का किस तरह और मक्के की रोटी का किस तरह। मट्ठी बनाते वक्त मैदा में कितना घी या तेल डालना चाहिए? गुलाब जामुन कैसे मुलायम और रसभरे बन सकते हैं और कढ़ी के पकौड़े कैसे नरम बनाए जा सकते हैं, जो मुंह में जाते ही घुल जाएं।

ये सारी बातें इन महिलाओं ने किसी संस्थान में जाकर नहीं सीखी थीं। ये सब घर की पाठशाला में कभी खुद करके, तो कभी देखकर सीख जाती थीं। इसी को विरासत कहते थे, जो एक महिला के अनुभव और उसकी मेहनत के कारण अगली पीढ़ी की दूसरी महिलाओं, जैसे कि बहु या बेटियों तक पहुंचती थी। कई बार तो ऐसा भी होता था कि ये महिलाएं फोन पर ही किसी व्यक्ति की पूरी सामग्री और विधि बता देती थीं। घर न केवल एक पाठशाला था, बल्कि एक प्रयोगशाला की तरह भी था, जहां आमतौर पर नए-नए प्रयोग होते रहते थे। दाल बच गई है, तो अगले दिन उसके परांटे कैसे बनाए जाएं।

सब्जियां थोड़ी-थोड़ी बच गई हैं, तो उनसे नाई सब्जी कैसे बनाएं। दूध फट गया है, तो उसका उपयोग पनीर बनाने के अलावा और क्या-क्या, कैसे किया जा सकता है। कोई कपड़ा फट गया, तो

उसे किस तरह से ठीक करें। पुराने कपड़ों को फिर से नया जैसा कैसे बनाएं। रजाई में सिलाई वाले छोरे कैसे डालें। छोरे डालने से पहले उन पर लेटरन और कूदकर रूई को कैसे उसके अंदर सम पर लाएं। कूदने का यह काम अक्सर छोटे बच्चों के हवाले होता था। पुरानी साड़ियों के कवर बनाकर उन्हें कैसे चढ़ाया जाए। ध्यान से देखा जाए, तो ये सारी बातें घर की आर्थिकी को ठीक करने और पैसे बचाने के साधन होते थे। ये बातें भी इन महिलाओं ने किसी कोचिंग संस्थान से नहीं, बल्कि अपने अनुभव से ही सीखी थीं।

कई बार तो लगता है कि वे महिलाएं पूरा का पूरा ‘एनसाइक्लोपीडिया’ थीं। परिवार के लोगों की जरूरतों को पूरा करने के तौर-तरीके उन्हें मालूम थे। ऊपर जो थोड़े से काम गिनाए गए हैं, उनके मुकाबले सैकड़ों गुना और भी काम ये करती थीं। वे अपने शरीर को किसी मशीन की तरह इस्तेमाल करती थीं। इनमें से कई कहती थीं कि बैटे-बैटे हाथ-पांव में जंग लग जाती है। काम करने से ये चलते रहते हैं। हालांकि एकतरफा तौर पर सिर्फ स्त्री के श्रम का महिमामंडन नहीं किया जा सकता, लेकिन उनकी ऐसी मेहनत खास तो थी ही। आजकल बहुत सारे खानपान विशेषज्ञ ऐसा कहते हैं कि अकेले खान-पान को सीमित करने से ही आप स्वस्थ नहीं रह सकते। शारीरिक श्रम भी जरूरी है, जिसके लिए वे घूमने और जिम जाने की सलाह देते हैं।

मगर उस समय की महिलाओं ने तो जिम का नाम भी नहीं सुना होगा, लेकिन घर में ज्यादातर वक्त की भाग-दौड़ उनके लिए एक तरह से व्यायाम ही था, जिसे कई लोग एक पैर पर रात-दिन का दौड़ना कहते थे। आजकल इस तरह के बहुत से काम बाजार के हवाले हैं। एक फोन कॉल पर बना-बनाया खाना घर आ सकता है। कोई रोबोट हमारे घर की सफाई कर सकता है। घर के अन्य कामों के लिए तो घरेलू सहायक-सहायिकाएं हैं ही। चूल्हे, अंगीठी की जगह गैस, इंडक्शन प्लेट, हीटर हैं। पतीली, भगोने की जगह कुकर हैं। मसाले के लिए सिलबूड़े की जगह मिक्सी है। ये भी तब, जब घर में खाना पकाना हो।

अब पहले की तरह कपड़े या सामान खरीदने के लिए बाजार जाने, मोल-भाव करने और थकने-थकाने के दिन भी लंद चुके हैं। बस ऑर्डर किया और सामान हाज़िर। ये भी है कि जो स्त्रियां नियमित नौकरी करती हैं, वे इन घरेलू कामों की करें भी, तो कैसे। उनके पास अब समय ही नहीं है। ऐसे में डॉक्टरों की इस सलाह को पूरा कैसे किया जाए कि इन दिनों महिलाओं की शारीरिक गतिविधियां कम हैं। शरीर को जितनी कैलोरी चाहिए, उसके मुकाबले वे अधिक कैलोरी वाले भोज्य पदार्थ खा रही हैं। चलने-फिरने के मुकाबले बैटे रहने के काम ज्यादा कर रही हैं। इसलिए वे कम उम्र में ही उन बीमारियों का शिकार हो रही हैं, जो पहले बुजुर्गों की बीमारियां मानी जाती थीं।

सात दशक, करोड़ों भरोसे- जीवन के साथ भी, जीवन के बाद भी

(प्रणय विक्रम सिंह)

हममें से बहुत से लोगों की स्मृतियों में एलआईसी किसी कार्यालय से पहले घर की एक पुरानी फाइल में मिलता है।वह फाइल, जिसे पिता बहुत संभालकर रखते थे। जिसमें बच्चों के प्रमाण-पत्रों, जमीन के कागजों और घर की दूसरी जरूरी चीजों के बीच एलआईसी की एक पॉलिसी भी रखी होती थी।बचपन में हमें नहीं मालूम था कि उस कागज में पिता ने रुपये नहीं रखे थे, हमारे भविष्य की चिंता रखी थी।

शायद इसीलिए एलआईसी की कहानी केवल एक बीमा कंपनी की कहानी नहीं है। यह उन करोड़ों माता-पिताओं की कहानी है, जिन्होंने अपनी आज की छोटी-छोटी जरूरतों में कटौती करके अपने बच्चों का कल सुरक्षित किया।किसी ने बेटी की पढ़ाई के लिए पॉलिसी ली। किसी ने उसके विवाह के लिए। किसी ने बुढ़ापे की चिंता में। और किसी ने यह सोचकर कि मैं रहू या न रहूँ, मेरे बच्चों के सपने नहीं रुकने चाहिए।यहीं से एलआईसी के तीन अक्षर एक संस्था से आगे बढ़कर विश्वास का दूसरा नाम बन गए।वस्तुतः यह भाव भारत के लिए नया नहीं है। यह उस भारतीय जीवन-दृष्टि का सहज विस्तार है, जिसमें मनुष्य केवल अपने वर्तमान के लिए नहीं जीता, बल्कि परिवार, पीढ़ियों और भविष्य के प्रति अपने दायित्व को भी जीवन का धर्म मानता है।हमारे यहां ‘मैं’ से पहले ‘हम’ की चिंता रही है। पिता अपने श्रम में सतान का भविष्य जोड़ता है, मां अपनी बचत में पूरे परिवार की सुरक्षा और एक पीढ़ी अपने पुरुषार्थ में अगली पीढ़ी की समृद्धि का संकल्प संजोती है।

आज सात दशक बाद एलआईसी लगभग १57 लाख करोड़ से अधिक की परिसंपत्तियों का प्रबंधन करने वाली विराट वित्तीय संस्था है। लेकिन क्या यही उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि है?

मुझे लगता है- नहीं। एलआईसी की सबसे बड़ी उपलब्धि किसी बैलेंस शीट में नहीं लिखी जा सकती। उसकी सबसे बड़ी पूंजी करोड़ों भारतीय परिवारों की वह निश्चिंत नौद है, जिसके पीछे यह भरोसा रहा कि कठिन समय आया तो कोई हमारे अपनों के साथ खड़ा होगा।इसीलिए ‘जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी’ केवल एक पॉक नहीं रही। यह भारतीय परिवार के मन में किया गया एक वादा बन गई।

‘जिंदगी के साथ’ उसके सपनों की चिंता। ‘जिंदगी के बाद’ उसके अपनों की चिंता।

इससे बड़ो भरोसा भला कोई संस्था क्या अर्जित कर सकती है? संयोग नहीं है कि एलआईसी का ध्येय-वाक्य ‘योगश्रेष्ठ वहाम्यहम्’ भी भारतीय मनीषा के एक शाश्वत सूत्र से आता है। श्रीमद्भगवद्गीता का यह सूत्र हमारी सनातन चेतना में योग और श्रेम अर्थात प्रप्ति और उसकी रक्षा के गहरे भाव को अभिव्यक्त करता है।एलआईसी ने इसी ‘योगश्रेम’ को आधुनिक भारत में आर्थिक सुरक्षा की भाषा दी। आज के पुरुषार्थ को कल की निश्चिंतता से जोड़ा। एक और ‘योगश्रेष्ठ वहाम्यहम्’ का सनातन आश्वासन और दूसरी ओर ‘जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी’ का आधुनिक विश्वास दोनों के केंद्र में चिंता अपने से अधिक अपनों की है।सतर वर्षों में देश बदला है।

आज का राशिफल



मेष

आज बचत पर ध्यान और दफ्तर में जिम्मेदारी मिलेगी।।पैसे के

मामले में आज खर्चों पर अख्यानियंत्रण बना रहेगा।।आप अपनी पुरानी देनदारियों को निपटाने या भविष्य के लिए बचत बढ़ाने पर मुख्य रूप से ध्यान देंगे।।दूसरों को प्रभावित करने के लिए बेवजह की खर्चें खरीदने से बचें।।समझदारी और समय से चलना ही आज आपको मन को सुकून देगा और बजट संभालेगा।।



मिथुन

आज समझदारी से बचत और काम में तेजी आएगी।।पैसे से जुड़े मामलों में आज आपको काफी सोच-समझकर चलने की सख्त जरूरत है।।मनपसंद चीजों पर तुरंत पैसे उठाने का मन करेगा।।कोई भी बड़ा खर्च करने से पहले अच्छी तरह देख ले कि क्या वह चीज सच में आपके आगे काम आने वाली है।।



सिंह

आज दिखावे से बचाव और दफ्तर में पहचान दिलाएगा।।अपनी कमाई बढ़ाने का मन बहुत तेजी से करेगा।।आप अपनी समझ से नए रास्ते खोजेंगे।।आपकी राशि में केतु के होने से सलाह मिलती है कि केवल मान-सम्मान पाने या दिखावे के लिए पैसे न बहाएं।।सिर्फ अपनी जरूरत की चीजें खरीदना ही सही रहेगा।।



वृष

आज धन की सुरक्षा और काम में निरंतरता बनाए रखना होगा।।पैसे की सुरक्षा पर आपको पूरा ध्यान रहेगा।।अपने घर का बजट देखने और आगे के लिए सही योजना बनाने के लिए दिन बहुत बढ़िया है।।सही फैसले लेने से मन खुश रहेगा।।गैर-जरूरी और फालतू खर्चों से दूरी बनाकर रखना ही आज सही रहेगा।।



कर्क

आज धन की मजबूती और दफ्तर में सहारा मिलेगा।।आपकी कमाई बढ़ने की एक बहुत अच्छी उम्मीद नजर आ रही है।।आप आय के नए साधन खोजने और परिवार की सुरक्षा पर विचार करेंगे।।मन में उम्मीद होना अच्छी बात है, पर यह बिल्कुल न मान ले कि आगे सब कुछ अपने आप ठीक हो जाएगा।।



कन्या

आज बजट की जांच और काम में धीरज बनाए रखे।।अपने पैसों का सही हिसाब-किताब रखने से आज आपको बड़ा फायदा मिलने वाला है।।बार-बार होने वाले छोटे खर्चों और पुरानी देनदारियों की जांच करें।।जहां भी आपका फालतू पैसा जा रहा हो, उसे तुरंत रोके।।



तुला

आज संतुलित खर्च और बेहतर तालमेल बनाए रखना होगा।।पैसों के लेन-देन में एक बहुत अच्छा संतुलन बना रहेगा।।अपने आराम और पसंद की चीजों पर खर्च करने का मन जरूर होगा, लेकिन एक सीमा में रहे।।हर कदम समझदारी से उठाने पर आपका आज का दिन और आने वाला समय दोनों बहुत बढ़िया रहेंगे।।



धनु

आज समझदारी से निवेश और काम में नए मौके मिलेंगे।।कमाई बढ़ाने के नए-नए रास्ते खोजने का आपका मन बहुत करेगा।।किसी भी नए काम में हाथ डालने से पहले उसके हर छोटे-बड़े पहलू को अच्छे से जांच लें।।केवल उम्मीद के भरोसे इतना बड़ा कदम न उठाएं।।मजबूत आधार देखने के बाद ही अपने पैसे सही जगह पर लगाएं।।



कुंभ

आज सोच-समझकर निवेश और नई सोच के साथ करे।।बहुत अच्छी पैसा कमाने की तीव्र चाहत जाग सकती है।।तुरंत फायदा देने वाली बातों के लालच में बिल्कुल न पड़ें।।किसी भी नई योजना में पैसा लगाने से पहले पूरी जांच कर लें, नहीं तो आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।।दफ्तर के रोज के काम में कुछ नया करने की बहुत तेज इच्छा होगी।।



वृश्चिक

आज भविष्य की योजना और धीरज से काम का है।।पैसों के मामले में एकदम से नहीं, बल्कि बहुत धीरे-धीरे अच्छी बढ़त देखने की मिलेगी।।आपने पुराने लेन-देन और वादों की गहराई से जांच करें।।धन से जुड़े किसी भी बड़े फैसले में अपने परिवार से कुछ भी न छिपाएं, ताकि आगे चलकर आपको कोई बड़ी परेशानी न झेलनी पड़े।।



मकर

आज रुके काम निपटाना और काम में अनुशासन रखना होगा।।अपनी पैसों की जिम्मेदारी को पूरे नियम और अनुशासन से संभालने के लिए आज का दिन बहुत बढ़िया है।।अपनी पुरानी देनदारियों और बचत की सही स्थिति जांचें।।किसी दूसरे के दबाव में आकर अपने पैसों से जुड़ा कोई भी बड़ा फैसला जल्दबाजी में लेने से बचें।।



मीन

आज शांत मन से फैसले और पेंडिंग काम का निपटारा होना।।आपको पैसों की पुरानी अदतों को तुरंत सुधारने की सलाह दे रही है।।अपने पुराने बजट या वादों पर दोबारा गहराई से सोचें।।यह समय अपनी आर्थिक स्थिति को नए सिरे से मजबूत और सुरक्षित बनाने का है, इसलिए संभलकर चलें।।

महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसका एक हिस्सा पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरता है। भारत लंबे समय से इस परियोजना का विरोध करता रहा है और इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन मानता है। ऐसे में मोदी ने बिना किसी देश या परियोजना का नाम लिए एससीओ मंच से साफ कर दिया कि कनेक्टिविटी और विकास के नाम पर किसी देश की क्षेत्रीय अखंडता से समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। साथ ही उन्होंने सड़क, रेल और हवाई संपर्क बढ़ाने के अलावा कस्टम प्रक्रियाओं को सरल बनाने, डिजिटल दस्तावेजीकरण को बढ़ावा देने और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

तीसरे स्तंभ यानि अर्पंच्युनिटी के जरिए मोदी ने एससीओ सहयोग को आम लोगों से जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि युवाओं के लिए कितने अवसर बने, उद्यमियों के लिए कितने नए बाजार खुले, किसानों को तकनीक से कितना लाभ मिला और नागरिकों का जीवन कितना बेहतर हुआ। मोदी ने जोर दिया कि एससीओ सहयोग केवल सरकारों तक सीमित नहीं, बल्कि पीपुल-ड्रिवन पार्टनरशिप बनना चाहिए। इसी दिशा में भारत इस वर्ष पहले एससीओ सिल्विलाइजेशन डायलॉग फोरम की मेजबानी करेगा।

इसके अलावा, शिखर सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय मुलाकातों ने भी भारत को सक्रिय कूटनीति को मजबूत किया। ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई, जबकि लाओस के राष्ट्रपति थॉंगलून सिसीलिय के साथ द्विपक्षीय संबंधों और संपर्क को मजबूत करने पर बातचीत हुई। ये मुलाकातें बताती हैं कि बहुपक्षीय मंचों पर भारत की रणनीति केवल भाषण देने की नहीं, बल्कि समानांतर रूप से द्विपक्षीय संबंधों का नेटवर्क मजबूत करने की भी है।

बहरहाल, बिश्केक एससीओ सम्मिट में मोदी ने आतंकवाद पर पाकिस्तान को घेरा, दोहरे मापदंडों को चुनौती दी, संप्रभुता आधारित कनेक्टिविटी का सिद्धांत दोहराया और भारत की सांस्कृतिक व युवा-केंद्रित पहलों को एससीओ के एजेंडे में स्थापित किया। उनका संदेश साफ था कि शेषाई जियोग्राफी को शेषाई अर्पंच्युनिटीज में बदलना होगा, विजन को परिणामों में और सरकार-केंद्रित सहयोग को जन-केंद्रित साझेदारी में परिवर्तित करना होगा। कुल मिलाकर, बिश्केक से भारत ने यही संकेत दिया है कि बदलते यूरेशियाई समीकरणों में वह एजेंडा तय करने वाला देश बन चुका है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 6203

1	2	3			4	5	6
7				8			
			9				
		10				11	12
13			14	15			
16	17			18		19	
					22	23	
20		21					
24					25		26

संकेत: बाएं से दाएं

- यह अंतरजाल पर स्थित एक निशुल्क सामाजिक नेटवर्किंग सेवा है (4)
- मुगल शासक शेरशाह का अस्सी नाम यह था, उसे शेर खां की उपाधि बहाुर खां लोहानी ने दी थी (3)
- अहमदनगर, गान, अंबर, अकाल (3)
- पुरुषोत्तम मास, अभिमास (4)
- स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती (3)
- कैदखाना, बंदोख, कारागृह (2)
- फल आदि के अंदर का गुदगुदा भाग, किसी चीज के अंदर का गोला भाग। सार भाग, मज्जा (2)
- मन प्रसन्न करने की क्रिया, ब्रौडी, विलास (3)
- दो कौी संख्या, निहाह (2)
- तनने की क्रिया, खिंचाव, ड्रेप (3)
- ग्राम, गांव (3)
- सूर्य आदि छो़ी के सिर पर निकलता हुआ चाली का गुच्छ (3)
- वन में उत्पन्न वस्तु (3)
- संगीत का अष्टम सूत्रक शब्द (1)
- भातु का पीट और खींचकर बनाया गया तागा या तुलु, टेलीगम (2)

ऊपर से नीचे (2)

- शस्त्रसौत वीर संगीतग्राम अंग (3)
- सिलवट, सिक्कुडन, रेंड (2)

3. पुस्तक चित्रेता को अंशवैची में यह कहते है (5)

- नांदिबा, परिचयम, कर्मा का भोग (2)
- एक दि

एडिन जेको का इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

इंस्टाग्राम पर लिखा भावुक पोस्ट



नई दिल्ली। बोस्निया और हर्जेगोविना के दिग्गज खिलाड़ी और मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्टार एडिन जेको ने इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान किया है। बोस्निया का यह स्टार खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच 2 अवटुबर को खेलेगा, जब उनकी टीम नेशन लीग में स्वीडन का सामना करेगी। एडिन जेको ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि नेशनल टीम के लिए खेलना फुटबॉल से मिला सबसे कीमती तोहफा रहा है। 40 साल के इस खिलाड़ी ने अपने 20 साल के सफर के यादगार पलों को भी याद किया। जेको ने पोस्ट में लिखा, 'कभी-कभी मैं सोचता था कि यह पल कब आएगा, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द लिखते समय मैं इतना भावुक हो जाऊंगा। 12 अवटुबर को मैं स्वीडन के खिलाफ अपनी नेशनल टीम के लिए अपना अगला और आखिरी मैच खेलूंगा। मेरे करियर में किसी भी चीज की तुलना उस गर्व से नहीं की जा सकती, जो मुझे हर बार उस जर्सी को पहनकर महसूस हुआ। कुछ भी नहीं। यह मेरा बचपन का सपना था। फुटबॉल के मैदान पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने वाले उन सभी 151 मैचों में मैं उस सपने को अपने साथ लेकर चला।' जेको ने 20 साल पहले तुर्की के खिलाफ बोस्निया की जर्सी में खेले गए अपने पहले मैच को भी याद किया और कहा, 'तुर्की के खिलाफ खेले गए उस मैच को लगभग 20 साल बीत चुके हैं। उस दिन के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, और मैं भी बदल गया हूँ, लेकिन इस जर्सी के लिए मेरा ध्यार कभी नहीं बदला।' 40 साल के इस खिलाड़ी ने 151 मुक़ाबलों में कुल 73 गोल किए, जो बोस्निया और हर्जेगोविना के लिए रिकॉर्ड हैं। अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने टीम को दो वर्ल्ड कप तक पहुंचने में मदद की। 2014 में उन्होंने पहली बार अपने देश को वर्ल्ड कप में पहुंचाया, तो 2026 में टीम ने अंतिम 32 तक का सफर तय किया था। टीम में अनगिनत योगदान देने के बाद, जेको का मानना ​​? है कि अब पीछे हटने का सही समय है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अब पीछे हटने का समय आ गया है। अगर मैं 40 साल की उम्र तक नेशनल टीम में बना रह सका, तो इसकी वजह यह है कि मैंने सचमुच अपना सब कुछ दिया। हर बार। अपना सब कुछ।' इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बावजूद, जेको बुडोसलिया में अपने वलब शाल्के का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे।

पार्टी और मौज-मस्ती के सवाल को लेकर पत्रकार पर भड़कीं सबालेंका पर भड़कीं सबालेंका प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाई फटकार

न्यूयॉर्क। दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन में दूसरे राउंड की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टूर्नामेंट से पहले की अपनी गतिविधियों के बारे में पूछे गए सवाल पर एक पत्रकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई। बेलायूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी सबालेंका ने न्यूयॉर्क में अपना खिताब बचाने की कोशिश में दूसरे राउंड के मैच में पोलिना इत्येको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। 22 साल की इत्येको पर शानदार जीत के बाद दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी से यूएस ओपन से पहले उनके स्पॉन्सरशिप के कामों के बारे में पूछा गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक रिपोर्टर ने पूछा, 'टूर्नामेंट शुरू होने के बाद अब आपका मुँह कैसा है? जाहिर है कि पिछले हफ्ते बहुत सारी पार्टियाँ और मौज-मस्ती वगैरह हुई थी।' सबालेंका ने रिपोर्टर को फटकार लगाते हुए कहा, 'यह कैसा सवाल पूछा है आपने?' उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आप लोग तो मजाक जैसे हैं। पार्टियाँ? मौज-मस्ती? आप ऐसा क्यों कहेंगे? आप ऐसा सोचेंगे ही क्यों? मतलब, यह कैसा सवाल है? सिर्फ इसलिए कि मैंने ब्रांड्स के साथ कुछ गतिविधियाँ पोस्ट की, तो आपको लगता है कि मैं पार्टी कर रही थी?' सबालेंका ने दूसरे राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से हराया। उन्होंने इत्येको को हारने में सिर्फ 54 मिनट लिए और न्यूयॉर्क में अपनी जीत का सिलसिला 15 मैचों तक बढ़ाया। मैच के बारे में बात करते हुए सबालेंका ने कहा, 'मैं अपने खेल के स्तर से खुश हूँ। मैं बहुत मेहनत कर रही हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि मैं कोर्ट पर परफेक्ट बने की कोशिश से थोड़ा दूर हो रही हूँ।

चाइना मास्टर्स



यियू की चुनौती से नहीं पा सके पार

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के पूर्व नंबर एक भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चीन मास्टर्स सुपर 750 में सफर शुकुवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेंग यियू से सीधे गेम में मिली हार से समाप्त हो गया। इस 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी को 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 25वें नंबर के खिलाड़ी ली चेंग से 16-21, 16-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने इस साल की शुरुआत में अमेरिकी ओपन सुपर 300 में उपविजेता रहते हुए फॉर्म में वापसी की झलक दिखाई थी। अब सेमीफाइनल में ली चेंग का सामना फ्रांस के दूसरे नंबर पर काबिज क्रिस्टो पोपोव से होगा। श्रीकांत ने पिछले दौर में शानदार प्रदर्शन किया था, उन्होंने राउंड 16 में कनाडा के दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी विकटर लाई को 21-18, 21-19 से हराया था। लेकिन ली चेंग के खिलाफ उन्हें लंबे समय तक मुकाबले में वापसी के लिए संघर्ष करना पड़ा, खासकर तब जब पहले गेम के बीच में उन्होंने अपनी बढ़त और लय गंवा दी।

भारत के किदांबी श्रीकांत को क्वार्टर फाइनल में मिली हार

शुरुआती बढ़त बनाने के बाद गंवाई लय

श्रीकांत ने तेज शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन ली चेंग ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली। हांगकांग के खिलाड़ी ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर छह अंकों की शानदार बढ़त बनाते हुए स्कोर 14-6 कर दिया। श्रीकांत ने वापसी की कोशिश की, लेकिन अंतर काफी बड़ा हो चुका था। ली चेंग ने धैर्य बनाए रखा और पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में मुकाबला काफी कड़ा रहा। श्रीकांत ने एक बार फिर आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-0 की बढ़त बनाई, लेकिन ली चेंग ने लगातार अंक हासिल कर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद रैलियाँ लंबी होती गईं और दोनों खिलाड़ियों के बीच अंतर बेहद कम रहा। बहुत कई बार बदली और दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए 15-15 तक पहुंच गए। जब ऐसा लगा कि श्रीकांत जीत के करीब पहुंच रहे हैं, तभी ली चेंग ने अपनी गति बढ़ा दी। उन्होंने लगातार तीन अंक हासिल कर 18-15 की बढ़त बना ली और इसके बाद तीन और अंक लगातार जीतकर मुकाबला सीधे गेम में समाप्त कर दिया। 30 वर्षीय ली चेंग ने मई में सिंगापुर ओपन में भी शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी को हराया था।



अनाहत सिंह पहुंची क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। महिला विश्व नंबर 20 अनाहत सिंह ने बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर 11 नेले गिलिस को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से शिकस्त दी। इसी के साथ अनाहत लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं हैं। मौजूदा वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत ने 1,44,000 डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए गोल्ड इवेंट के दूसरे दौर में आठवीं सीड गिलिस को 13-11, 4-11, 11-8 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला, जो टूर पर दोनों के बीच पहली भिड़ंत थी। 18 वर्षीय अनाहत सिंह 2021 के बाद पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं हैं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर 8 सीड गिलिस को हराया, जो पिछले साल लंदन क्लासिक के फाइनल में पहुंची थीं। 'एली पैली' में मौजूद दर्शकों को कई जबरदस्त रैलियाँ देखने को मिलीं। अनाहत ने

पहला गेम जीता, लेकिन वापसी करती गिलिस ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हालांकि, अनाहत अपनी प्रतिद्वंद्वी को कोर्ट के पिछले हिस्से में रखने और 'टी' (कोर्ट का केंद्र) पर अपना दबदबा बनाए रखने में कामयाब रहीं। साथ ही, उन्होंने फ्रंट कॉर्नर पर सटीक शॉट खेलकर जीत हासिल की। अगले राउंड में अनाहत का मुकाबला 2024 की विनर शिवसंगरी सुब्रमण्यम से होगा, जिन्होंने नॉर्डिन मारस को हराया था। मलेशियाई खिलाड़ी ने दो साल पहले इसी वेन्यू पर अपना सबसे बड़ा खिताब जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 हानिया अल हम्मामी, आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन नूर अल शोरबिनी और बेल्जियम की नेले गिलिस को हराया था और 11-5 से दो जीत के बाद, उनके एक बार फिर टूर्नामेंट में आगे तक जाने की अच्छी उम्मीद है। अनाहत सिंह और शिवसंगरी सुब्रमण्यम के बीच होने वाला मुकाबला यह संकेत दे सकता है कि एशियन गेम्स में क्या उम्मीद की जा सकती है, जहां स्क्वाश के पहले ओलंपियन तय किए जाएंगे।

महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बीसीसीआई हमेशा तैयार : देवजीत सैकिया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि बोर्ड कम समय में आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के पहले संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह



तैयार है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका से मेजबानी अधिकार वापस लेकर भारत को सौंप दिए हैं। छह टीमों वाला यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी तक खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मुकाबले दो मैदानों - मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई मुख्यालय में प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सैकिया ने संवाददाताओं से कहा, 'आपको बीसीसीआई की सराहना करनी चाहिए कि हम अगले साल फरवरी में महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहे हैं। हमारे पास दो स्थल हैं, एक सीसीआई ब्रेबोर्न, जो वानखेड़े स्टेडियम के बगल में है। दूसरा बड़ौदा है और हमें सराहना करनी चाहिए और हमें आईसीसी, जिसमें जय शाह भी शामिल हैं, को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने सोचा कि बीसीसीआई सही देश है जो इतने कम समय में टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है।' आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) से सरकारी हस्तक्षेप के कारण मेजबानी अधिकार छीन लिए थे। श्रीलंका सरकार ने बोर्ड से संचालन के लिए सरकार समर्थित ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी नियुक्त की थी।

रोहित के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को बीसीसीआई ने किया खारिज, आयरलैंड-इंग्लैंड में मिली हार का हुआ विश्लेषण

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही तमाम तरह की अटकलों को खारिज कर दिया। मुंबई में अपने हेडक्वार्टर में हुई हार्ड-लेवल परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग के बाद बोर्ड ने कहा कि रोहित की फॉर्म अभी भी शानदार बनी हुई है। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने साफ किया कि हाल के विदेशी दौरों का विश्लेषण करने और वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए रणनीति बनाने के लिए बोर्ड की बैठक के बाद पूर्व कप्तान की जगह सुरक्षित है। इस अहम रिव्यू मीटिंग में भारत के टी20 इंटरनेशनल कप्तान श्रेयस अय्यर, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, हेड कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के हेड वीवीएस लक्ष्मण शामिल हुए। इनके साथ बीसीसीआई के टॉप अधिकारी - प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास, सेक्रेटरी सैकिया, जॉइंट सेक्रेटरी प्रभतेंज सिंह भाटिया और अंतरिम सीओ हेमांग अमीन भी मौजूद रहे। लंबे समय से रुकी हुई यह रिव्यू मीटिंग अक्सर में जुलाई में होनी थी, जिसमें इंग्लैंड और आयरलैंड में टी20 इंटरनेशनल सीरीज गंवाने और वनडे में इंग्लैंड के खिलाफ

मिली हार पर चर्चा होनी थी। हालांकि, भारत के जिम्बाब्वे टी20 इंटरनेशनल दौर और श्रीलंका टेस्ट दौर (जिसमें उन्होंने क्रमशः 3-0 और 1-0 से जीत हासिल की) के कारण इसे टाल दिया गया और आखिरकार इस मीटिंग का आयोजन गुरुवार (3 सितंबर) को हुआ। बैठक के बाद सैकिया ने पत्रकारों से कहा, 'वह (रोहित शर्मा) सभी मैचों में शानदार खेल रहे हैं। तो आपको और क्या चाहिए? पिछले मैच में उन्होंने 138-148 रन बनाए। तो अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं? इसी कारण मैं अटकलें लगाने वालों को कोई मौका नहीं देना चाहता।' चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर मुंबई से बाहर होने और कम समय की सूचना व कनेक्टिविटी की दिक्कतों के कारण इस अहम बैठक में शामिल नहीं हो सके। सैकिया ने बताया, 'आज हमारी कोई सिलेक्शन मीटिंग नहीं थी। यह एक रूटीन मीटिंग थी, जैसी हम अक्सर 2-3 महीने के अंतराल पर करते हैं। आज हमारी मीटिंग हेड कोच, सीओई के क्रिकेट हेड और दो कप्तानों - टी20 कप्तान श्रेयस और टेस्ट व वनडे कप्तान शुभमन - के साथ हुई। वह (अगरकर) शहर से बाहर थे, इसलिए मीटिंग में शामिल नहीं हो सके। यह मीटिंग बहुत कम समय

के नोटिस पर बुलाई गई थी और हमारे सिलेक्शन कमेटी के हेड अजीत अगरकर शहर में नहीं थे, इसलिए वह इसमें शामिल नहीं हो पाए। वह ऐसी जगह पर थे कि हमारी पूरी कोशिशों के बावजूद ऑनलाइन भी नहीं जुड़ सके।' इस रिव्यू में इंग्लैंड और आयरलैंड के दौरों पर मिली हार पर खास तौर पर चर्चा की गई, क्योंकि सीनियर पुरुष टीम एक मुश्किल शेड्यूल के लिए तैयारी कर रही है। इसमें 2027 पुरुष वनडे वर्ल्ड कप से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज, वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल मैच, जापान में एशियन गेम्स, न्यूजीलैंड का मल्टी-फॉर्मेट दौरा, जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शामिल हैं। बीसीसीआई के सेक्रेटरी ने आगे बताया, 'हमने चर्चा की और मुख्य रूप से इस मुद्दे पर बात की कि हमारी टीम में इंग्लैंड और आयरलैंड में कैसा प्रदर्शन किया। इसके साथ ही हम अगले एक साल के लिए क्या करने वाले हैं, इस पर भी सोच रहे हैं। रोडमैप तैयार कर लिया गया है और हम कुछ कदम उठाएंगे ताकि वर्ल्ड कप 2027 में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छे रहे।



एशियाई खेल

निशानेबाज मनु भाकर ने मांगा था पिता का सहारा, पर नहीं मिली मंजूरी सिंधू को फिजियो का मिला साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेलों में पीवी सिंधू की फिजियो हिरा तो पहलवानों को तीन विदेशी प्रशिक्षकों को खेल मंत्रालय और साई के हस्तक्षेप पर अंतिम क्षणों में एशियाड के दल में जगह मिली है। कोच जसपाल राणा के निधन से टूटी निशानेबाज मनु भाकर की पिता रामकिशन भाकर का सहारा देने की मांग को मंजूरी नहीं दी गई है। 7 सदस्यीय एथलेटिक्स दल का सपोर्ट स्टाफ भी 23 से बढ़कर 31 हो गया। 244 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ, 33 फिजियोथेरेपिस्ट, 22 डॉक्टर, वीडियो एनालिस्ट, 10 मालिश ए व तीन साइकोलॉजिस्ट हैं। टेटे खिलाड़ी सुवीर्था मुखर्जी, लांग जंपर शाहनवाज खान, एंसी सोजन खिलाड़ियों की मांग पर उनके निजी प्रशिक्षकों को भी अंतिम क्षणों में जगह मिली है।

जापानी कोच होंगी पहलवानों के साथ

पीवी सिंधू ने एशियाई खेलों में अपनी फिजियो हिरा मंदुलरु को ले जाने की गुहार लगाई थी। बैडमिंटन महासंघ ने नाम नहीं भेजा था, पर साई ने सिंधू की गुहार मान ली। कुश्ती महासंघ ने महिला विदेशी कोच जापान की कोसेई अकाइशी, ग्रीको रोमन कोच रूस के गोगी कोमुआशविली, फ्रीस्टाइल कोच शाको बैटिनिडिस का नाम शामिल नहीं किया था, पर अब ये सूची में है। टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन, सिड्ढेला दास और सुतीर्था मुखर्जी ने निजी कोच सौर्यदीप रॉय का साथ मांगा था। इसे मंजूर कर लिया गया। शाहनवाज के कोच भूपिंदर सिंह और एंसी सोजन के कोच अनूप जोसेफ को भी दल में जगह मिली है। जसपाल के निधन के बाद पहले बड़े टूर्नामेंट में उतर रही मनु भाकर मानसिक मजबूती के लिए पिता का साथ चाहती थीं। आईओए ने रामकिशन भाकर का नाम उनके निजी कोच के रूप में रखा, जिसे मंत्रालय व साई ने खारिज कर दिया।

अभिषेक शर्मा का जन्मदिन

चार साल की उम्र में थामा बल्ला, सपना किया साकार युवराज के मार्गदर्शन में निखरा खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अभिषेक की गिनती विश्व के सबसे तूफानी सलामी बल्लेबाजों में की जाती है। महज 25 साल की उम्र में ही अभिषेक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई बड़े मुकाम हासिल कर चुके हैं। अभिषेक का जन्म चार सितंबर 2000 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। अभिषेक के पिता राजकुमार शर्मा खुद क्रिकेटर बनना चाहते थे। यही वजह थी कि शुरुआत से ही घर में क्रिकेट से जुड़े उपकरण हमेशा मौजूद रहे।

पिता को देखकर अभिषेक को भी क्रिकेट से धीरे-धीरे लगाव होने लगा। महज चार साल की उम्र में अभिषेक अपने पिता का बल्ला उठाने का प्रयास किया करते थे, जिसके बाद उनके लिए पिता एक प्लास्टिक का बैट लेकर आए। बचपन में ही अभिषेक खूब अभ्यास किया करते थे। वह अपनी मां-बहनों से खुद को गेंदबाजी करने के लिए कहा करते थे। अभिषेक ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने का फैसला कर लिया। अभिषेक के पिता भारत के लिए नहीं खेल सके, लेकिन वह चाहते थे कि उनका बेटा टीम इंडिया की जर्सी में जरूर खेले। पिता के सपने को अभिषेक ने अपनी जिंदगी का मकसद बना लिया।

2017 में प्रथम श्रेणी में किया डेब्यू

महज 16 साल की उम्र में पंजाब की ओर से खेलते हुए अंडर-16 स्तर पर अभिषेक ने एक सीजन में 1200 रन बनाए और 57 विकेट निकालने में भी सफल रहे, जिसके चलते उन्हें बीसीसीआई का नमन पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद अभिषेक ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2017 में उन्होंने पंजाब के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपना डेब्यू किया। अभिषेक साल 2018 में अंडर-19 विश्व कप का खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा भी रहे। अभिषेक का करियर और जिंदगी तब बदली, जब वह भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की शरण में पहुंचे। युवराज के मार्गदर्शन में अभिषेक का खेल दिन-प्रतिदिन निखरता गया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अभिषेक ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से खूब सुर्खियां बटोरीं। उन्होंने इस सीजन 204 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 484 रन बनाए। इसी साल अभिषेक को टीम इंडिया की ओर से पहली बार बुलावा भी आया। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने करियर के दूसरे ही मैच में तूफानी शतक लगाया और हर किसी को अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया।



प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय, मऊगंज में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ।



गौ सेवा ही धर्म की सबसे बड़ी सेवा है : उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में कृष्ण जन्मोत्सव में हुए शामिल

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर भगवान कृष्ण और गौमाता का पूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने बड़ी संख्या में उपस्थित गौ सेवकों के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया। उप मुख्यमंत्री ने कृष्ण मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता की सेवा ही सच्ची धर्म सेवा है। जब हम गौ माता से विमुख होते हैं तभी मानवता पर संकट आता है। बसामन मामा गौ अभ्यारण्य



हजारों बेसहारा गायों को आश्रय देने के साथ प्राकृतिक खेती के रूप में विकसित हो रहा है। यहां प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था है। गौ अभ्यारण्य के आसपास के किसानों को लगातार प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया

जा रहा है। कुछ दिनों पहले गौ अभ्यारण्य में मलूक पीठाधीश्वर श्री राजेन्द्रदास जी महाराज ने तीन दिनों तक गौ भागवत सुनाई थी। महाराज जी ने गौ अभ्यारण्य में की जा रही गौ सेवा की प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री ने सभी को

कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौ अभ्यारण्य अब आश्रम का रूप ले चुका है। इसमें 9 हजार से अधिक गौवंश की सेवा की जा रही है। रीवा में लक्ष्मणबाग गौशाला में एक हजार गौवंश को आश्रय दिया गया है। हिनाती गौधाम में 20 हजार से अधिक गौवंश को आश्रय देने की व्यवस्था की जा रही है। हमें स्वयं की स्वस्थ रखने तथा भावी पीढ़ी का जीवन बचाने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना होगा। प्राकृतिक खेती का आधार गौपालन और गौ सेवा है। गौ माता के शरीर में देवी-

देवताओं का वास होता है। इसके गोबर और गोमूत्र भी इतना पवित्र होता है कि उसका पूजा में उपयोग होता है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का संकल्प लिया है। प्राकृतिक खेती प्रधानमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी किसान अपने जमीन के 10 से 20 प्रतिशत भाग पर प्राकृतिक खेती के माध्यम से अनाज पैदा करके अपने परिवार के लिए पौष्टिक और निर्मल अनाज की व्यवस्था करें। प्राकृतिक खेती को अपनाने का जन्माष्टमी सबसे शुभ दिन है। समारोह में पूर्व विधायक श्री

केपी त्रिपाठी ने कहा कि जिस स्थान पर पथरीली और बंजर जमीन थी वहाँ आज 52 एकड़ में हरा-भरा बसामन मामा गौ अभ्यारण्य सुशोभित हो रहा है। यह गौ माता का प्रताप है। इसके निर्माण में कई बाधाएं आईं लेकिन उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों और गौ माता की कृपा से इसका निरंतर विकास हो रहा है। इसके साथ बनाए गए तीन स्टाप डैमो से आसपास के गांवों की पेयजल की समस्या दूर हुई है। समारोह में जिला पंचायत की नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुष्टि देशमुख ने कहा कि वह अभ्यारण्य गौ सेवा का आदर्श केन्द्र है।

धान उपार्जन के लिए पंजीयन 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक

रीवा। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए शासन द्वारा किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन किया जाएगा। उपार्जन के लिए किसानों का ऑनलाइन पंजीयन होना आवश्यक है। ऑनलाइन पंजीयन 15 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि किसान ग्राम पंचायत कार्यालय के सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, सहकारी समितियों एवं खरीदी केन्द्रों में निशुल्क पंजीयन करा सकते हैं। एमपी किसान एप अपने एन्ड्रायड मोबाइल पर डाउनलोड करके किसान स्वयं पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा किसान एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा

केन्द्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे में 50 रुपए का शुल्क तथा आवश्यक दस्तावेज देकर 10 अक्टूबर तक उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान के उपार्जन का लाभ लेने के लिए किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री कराने पर ही धान उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन होगा। सभी पंजीयन केन्द्रों में भी फार्मर रजिस्ट्री बनाने की सुविधा दी जाएगी। कलेक्टर ने किसानों से अपील करते हुए कहा है कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा पटवारी से संपर्क करके सभी किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य बनवा लें। उपार्जन सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए भी फार्मर रजिस्ट्री होना आवश्यक है।

गरीबों के आर्थिक विकास को बैंकर्स सर्वोच्च प्राथमिकता दें : सांसद

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के प्रकरणों की स्वीकृति में बैंकों का रवैया ठीक नहीं है। सभी बैंकर्स सकारात्मक दृष्टिकोण से गरीबों के आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऋण प्रकरण स्वीकृत और वितरित करें।

प्राथमिकता के क्षेत्र कृषि और आवास में निवेश करके जिले के सीडी रेशियो में सुधार कराएं। जिले की आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि से ही बैंकों के कारोबार में वृद्धि होगी। गरीबों के छोटे-छोटे ऋण प्रकरणों को अमान्य करके बैंक अपना नुकसान कर रहे हैं। गरीबों को स्वरोजगार योजनाओं से आर्थिक विकास का अवसर दें। गरीबों के हितों पर कुठाराघात को

सहन नहीं किया जाएगा। बैंकर्स कार्रवाई के लिए बाध्य न करें।

बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जिले के आर्थिक विकास को गति देने के लिए लगातार बैंकर्स के साथ बैठक की जा रही है। सभी स्वरोजगार योजनाओं से जुड़े अधिकारी 15 सितम्बर तक लक्ष्य से 25 प्रतिशत अधिक प्रकरण बैंकों में दर्ज कर दें। बैंकर्स के साथ नियमित

संवाद रखें। सभी बैंकर्स स्वरोजगार योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य के अनुसार शत-प्रतिशत प्रकरण 31 अक्टूबर तक स्वीकृत और वितरित करें। मछलीपालन, पशुपालन, पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, ग्रामोद्योग, ग्रामीण आजीविका मिशन तथा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में बड़ी संख्या में प्रकरण बैंकों में लंबित हैं।

वर्षा थमी, नदियों का घटा जल स्तर, राहत और बचाव कार्य में प्रशासन ने लगाया जोर

रीवा। जिले में पिछले पाँच दिनों से रूक-रूक कर हो रही भारी वर्षा से आम जनजीवन प्रभावित हुआ। रीवा के साथ-साथ मऊगंज, सतना और मैहर जिलों में लगातार हो रही बारिश से बीहर, बिछिया, टमस, बेलन, महाना तथा अन्य नदियों के जल स्तर में तेजी से वृद्धि हुई। जिसके कारण निचले इलाकों में पुनः जल भराव हो गया। लगातार वर्षा के

कारण सड़कें और पुलिया भी क्षतिग्रस्त हुईं। पिछले 24 घंटे में वर्षा का जोर कम होने पर नदियों के जल स्तर में तेजी से गिरावट हुई है। रीवा में बीहर नदी खतरे के निशान से 1.5 मीटर नीचे बह रही है। त्योंथर में टमस नदी का जल स्तर घटने से पंचामा मार्ग खुल गया है। बसोरन बस्ती का आंशिक जल भराव की समस्या दूर हो गई है। इस संबंध में कलेक्टर

नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि बाढ़ तथा जल भराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासनिक अमला पूरी तरह से मुस्तैद है। एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लगातार भ्रमण किया। उन्होंने लालगांव और वैकुण्ठपुर के बीच क्षतिग्रस्त पुलिया का निरीक्षण कर तत्काल सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि

एसडीएम त्योंथर राकेश चौरसिया तथा सीईओ प्रवीण वंशोर ने एसडीआरएफ दल की मदद से ग्राम मनिका में दो बड़े नालों की बाढ़ से प्रभावित बस्ती में स्टीमर से खाद्यान्न की आपूर्ति कराई। कलेक्टर ने बताया कि नैना नदी का जल स्तर तेजी से घट रहा है। पानी घटने पर सोनरी में नैना नदी पुल से 3 सितम्बर को आवागमन शुरू हो गया है।

गुरुजन के अथक प्रयासों और समर्पण को नमन

राज्य स्तरीय शिक्षाक सम्मान समारोह 2026

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

उत्कृष्ट शिक्षा से प्रशस्त होती विकसित प्रदेश की दिशा

- 3 वर्ष में 3.06 लाख मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप हेतु ₹ 765 करोड़ का अंतरण
- कक्षा 6वीं एवं 9वीं के 13 लाख विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण
- 369 सांदीपनि विद्यालय प्रारंभ, जिनमें 4.02 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत, 138 सांदीपनि भवनों का निर्माण पूर्ण एवं 132 भवन निर्माणाधीन
- 3 वर्ष में बोर्ड परीक्षा परिणाम में 20% + की वृद्धि
- आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा के साथ 799 पीएमश्री विद्यालय संचालित
- हर जिला मुख्यालय, विकासखण्ड में एक शासकीय उ.मा. विद्यालय का उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में विकास
- गोंडी, भीली, सहरिया, बारेली, निमाड़ी, बुन्देली एवं बघेली भाषाओं में तैयार त्रिभाषा पुस्तकें, 21 जिलों के 89 जनजातीय विकासखण्डों में उपलब्ध

5 सितम्बर, 2026

आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल

सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents [@Cmmadhyapradesh](https://www.facebook.com/Cmmadhyapradesh) [@jansampark.madhyapradesh](https://www.facebook.com/jansampark.madhyapradesh) [@Cmmadhyapradesh](https://twitter.com/Cmmadhyapradesh) [@jansamparkMP](https://twitter.com/jansamparkMP) [jansamparkMP](https://www.youtube.com/jansamparkMP)

D-11106/26
आंकलपन - ज.प्र. माध्यम/2026